प्रारम्भिक वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

पंचम् झारखण्ड विधानसभा के नवम् (मॉनसून) सत्र के शुभारम्भ पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

देश के पंद्रहवें राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के लिए महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सदन के माध्यम से मैं बधाई देता हूँ। श्रीमती मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से इस सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा को नया कीर्तिमान प्राप्त होगा। जनजातीय महिला समुदाय की पहली महिला प्रतिनिधि और देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर आने वाली श्रीमती मुर्मू झारखण्ड की पहली महिला राज्यपाल भी रहीं। उनका कार्यकाल 18 मई, 2015 से 12 जुलाई 2021 तक रहा। मेरा विश्वास है कि राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती मुर्मू भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की संरक्षक और जनजातीय उत्थान की प्रणेता बनेंगी। निःसंदेह राष्ट्रपति चुने जाने से आम जनों के साथ-साथ विशेष रूप से जनजातीय व महिला समाज के सशक्तिकरण को संबल मिलेगा जो देश के जनजातीय समुदाय व भारतीय लोकतंत्र के लिए सार्थक सिद्ध होगा। देश की संवैधानिक प्रमुख के रूप में उनकी मौजूदगी हर भारतवासी के लिए एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र का प्रमाण है, जिसमें कोई भी व्यक्ति अंतिम पंक्ति से देश के प्रथम नागरिक तक बन सकता है।

मांडर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए हुए उप चुनाव में काँग्रेस की प्रत्याशी श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की ने निर्वाचित होने में सफलता प्राप्त की है। विधानसभा सदस्य के रूप में उन्हें सदस्यता की शपथ 04 जुलाई, 2022 को मेरे कार्यालय कक्ष से दिलायी गयी। विधानसभा में हम उनका स्वागत करते हैं। मुझे उम्मीद है कि श्रीमती तिर्की मांडर एवं इस राज्य की जनता की आशाओं और विश्वास पर खरी उतर कर सदन में एक आदर्श जनप्रतिनिधि के रूप में वे स्वयं को प्रस्तुत करेंगी।

माननीय सदस्यगण, 65वाँ राष्ट्रमंडलीय संसदीय संघ का इस वर्ष का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हॉलिफिक्स, कनाडा में 20 से 26 अगस्त, 2022 तक आयोजित होने जा रहा है, जिसमें मेरे साथ माननीय सदस्य, श्री निरल पूर्ति एवं डॉ0 लम्बोदर महतो पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेंगे।

लोकतांत्रिक प्रणाली के इस सफर में झारखण्ड विधानसभा ने आम जनमानस की समस्याओं का निराकरण और राज्य की जनता की उम्मीदों को पूर्ण करने का प्रयास किया है। उसी प्रयास की कड़ी को जिम्मेदारीपूर्वक पूरी सजगता, संवेदनशीलता और निष्ठापूर्वक हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ाना है।

सदस्यगण, हमें वर्तमान समय में समान, समावेशी और विविधता के वैश्विक दर्शन एवं बहुसंस्कृतिवाद के मूल्य और समझ के साथ आगे बढ़ना होगा जिसके लिए

हम सभी को राष्ट्रीय लोकाचार, सामाजिक समरसता एवं समान सांस्कृतिक मूल्यों की बेहतर समझ विकसित करने की जरूरत है। राज्य के नागरिकों को सचेत रख कर राष्ट्र-धर्म को सर्वोपरि मानते हुए संवैधानिक मूल्यों को उच्च पायदान पर स्थापित करना होगा ताकि धारणाओं में सकारात्मक बदलाव हो सके, इसमें आप सभी का सहयोग आवश्यक है।

संसदीय कार्यप्रणाली में समिति व्यवस्था अत्यन्त महत्वपूर्ण मानी जाती है, जिसकी महत्ता को नकारा नहीं जा सकता है। ये समितियाँ विधानसभा का एक लघु रूप है जो गम्भीर विषयों पर तार्किक चर्चा के लिए विधानसभा को एक अत्यन्त ही प्रभावी माध्यम का एक मंच प्रदान करती है। इसी उपादेयता को महसूस करते हुए मेरे द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए कुल 24 संसदीय समितियों का सृजन किया गया है। मुझे आशा और विश्वास है कि इस समितियों के माध्यम से झारखण्ड के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक व्यक्ति के सर्वांगीण विकास एवं सम्पूर्ण कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर हम अपनी विधायी शक्तियों का अधिकतम उपयोग कर पायेंगे।

दिनांक 28 जुलाई से 08 अगस्त तक इंग्लैंड के बर्मिघम में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ गेम 2022 के लिए भारतीय लॉन बॉल टीम में झारखण्ड के पाँच खिलाड़ियों का चयन होना हमारे राज्य के गौरव का पल है, इसके लिए वे सभी बधाई के पात्र हैं।

माननीय सदस्यगण, आज जब हम इस मॉनसून सत्र की शुरूआत कर रहे हैं तो हमें इस बात को भी अपने मन और मस्तिष्क में रखना है कि इस मॉनसून ऋतु में हमारे राज्य में करीब 40 प्रतिशत कम वर्षा अब तक हुई है एवं 24 में से 12 जिलों में बारिश सामान्य से कम हुई है। आज जब हम राज्य की इस सबसे बड़ी पंचायत में बैठकर राज्य के अलग-अलग विषयों पर चर्चा करेंगे तो हमें अपनी चर्चाओं में अपने किसान भाईयों के दर्द को भी शामिल करना होगा ताकि उनके दुःखों का सार्थक हल इस सदन के माध्यम से निकाला जा सके।

माननीय सदस्यगण, वर्तमान सत्र के दौरान कुल छः बैठकें निर्धारित हैं। वर्ष 2022-23 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन के लिए एक दिन, राजकीय विधेयक के लिए तीन दिन एवं गैर सरकारी संकल्प के लिए एक दिन निर्धारित है। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियमों के अधीन माननीय सदस्यों को जन-सरोकार से जुड़े विषयों और समस्याओं पर सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचनाएँ, प्रस्ताव और संकल्पों को उठाने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

सदस्यगण, लोकतंत्र में सहमति और असहमति साथ-साथ चलते हैं। विविधताओं से भरे हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति का होना भी स्वीकार्य है जो लोकतंत्र की सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक है। मुझे उम्मीद है कि राज्य हित में वर्तमान

सत्र के संचालन में पक्ष-विपक्ष का रचनात्मक सहयोग प्राप्त होगा। छः दिवसीय यह मॉनसून सत्र भले ही छोटा है परन्तु गुणात्मक रूप से इसका व्यापक महत्व है।

अतः हम सभी को मिलकर इस सत्र के समय का सकारात्मक सदुपयोग करते हुए जनमानस की आकांक्षाओं की पूर्ति की उम्मीदों की दिशा में आगे बढ़ना है।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ आप सभी का पुनः अभिनन्दन।